फिनलैंड के प्रधानमंत्री श्री मैट्टी वानहैनेन के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में प्रधानमंत्री का वक्तव्य

हेलसिंकी, फिनलैंड
12 अक्तूबर 2006

महामहिम प्रधानमंत्री वानहैनेन, प्रेस के सदस्यो,

मैं महामहिम प्रधानमंत्री वानहैनेन को उनके सम्माननीय आतिथ्य के लिए धन्यवाद देना चाहूंगा। इस वर्ष मार्च में प्रधानमंत्री वानहैनेन की भारत यात्रा के बाद भारत और फिनलैंड के रिश्तों में एक नया अध्याय शुरू हुआ है।

द्विपक्षीय यात्रा के सिलसिले में हेलसिंकी आना मेरे लिए खुशी और सम्मान की बात है। यह संयोग है कि मेरी इस यात्रा के अवसर पर यूरोपियन यूनियन की अध्यक्षता फिनलैंड को मिलने जा रही है। भारत-यूरोपियन यूनियन शिखर बैठक कल होगी। हमें इस बात की खुशी है कि यह बैठक फिनलैंड की अध्यक्षता में होने जा रही है।

हमारी आज की बातचीत के दौरान, प्रधानमंत्री वानहैनेन और मैं दोनों ही इस बात पर सहमत थे कि भारत और फिनलैंड, दोनों देशों में अपार क्षमताएं हैं और इनका पूरी तरह दोहन किया जाना चाहिए। **ओईसीडी** देशों में फिनलैंड एक तेजी से बढती अर्थव्यवस्था है। फिनलैंड दूरसंचार, सूचना प्रौद्योगिकी और जैव-प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में दुनिया में सबसे आगे है।

हमने भारत की निरंतर 8 फीसदी की दर से बढती हुई अर्थव्यवस्था के मद्देनजर यहां निवेश के अवसरों पर विचार-विमर्श किया। भारत सुरक्षित तथा लाभदायक निवेश के लिए एक आकर्षक स्थल है। भारत में विनिर्माण तथा सेवा क्षेत्र में वैज्ञानिक प्रतिभा और कुशल श्रम-शक्ति प्रचुरता में उपलब्ध है।

प्रधानमंत्री वानहैनेन ने मार्च में अपनी भारत यात्रा के दौरान चेन्नई में नोकिया के प्लांट का उद्घाटन किया था। फिनलैंड की कई कंपनियों ने भारतीय बाजार में प्रवेश किया है और हम उनका स्वागत करते हैं।

इसी प्रकार कई भारतीय कंपनियां फिनलैंड की हाईटैक कंपनियों में निवेश कर रही हैं और हम इससे काफी प्रेरित हुए हैं।

इन घटनाक्रमों को देखते हुए, हमारा मानना है कि दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को बढाने की विशाल क्षमता मौजूद है। हमने अगले दो वर्षों में अपने कारोबार को दुगना करने के लिए मिलकर काम करने पर सहमति व्यक्त की है।

हमें इस बात की खुशी है कि फिनएयर 30 अक्तूबर से हेलसिंकी और नई दिल्ली के बीच सीधी उड़ान सेवा शुरू करेगी।

हमने आतंकवाद के खिलाफ संघर्ष में अंतर्राष्ट्रीय प्रयासों को मजबूत बनाने की जरूरत पर भी विचार-विमर्श किया। भारत आतंकवाद का शिकार रहा है। मैं फिनलैंड द्वारा दिए गए समर्थन और एकजुटता की सराहना करता हूं।

वैश्वीकरण की चुनौतियों से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र और विश्व व्यापार संगठन जैसे बहुराष्ट्रीय संस्थानों को मजबूत बनाने की जरूरत है। भारत और फिनलैंड के बीच वार्ता से बहुपक्षीय प्रयासों में काफी योगदान मिला है और हम इन वार्ताओं को काफी महत्व देते हैं।

मैं हमारे बेहतरीन विचार-विमर्श और भारत के साथ नजदीकी रिश्तों के विकास के प्रति उनकी निजी गहरी प्रतिबद्धता के लिए प्रधानमंत्री वानहैनेन को धन्यवाद देता हूं।

मैं कल फिनलैंड के राष्ट्रपति से भेंट करूंगा।

धन्यवाद।

****